

2800

(b) Jñāna

ज्ञान

(c) Bhakta

भक्त

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **2800** **I**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad
and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Prog. Group :**
AEC - Sanskrit

Semester : I

Time : 2 Hours **Maximum Marks : 60**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written in **Sanskrit, Hindi or English**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी या अंग्रेजी किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Throw light on the meaning of the word Upanishad and its main purposes. 15
उपनिषद् शब्द का अर्थ एवं उसके मुख्य प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Discuss the relevance of Ishavasyopanishad in modern times.

आधुनिक समय में ईशावास्योपनिषद् की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

2. Write short notes on any **two** of the following :
7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Karma

कर्म

(b) Brahma

ब्रह्म

(c) Satya

सत्य

3. 'Geeta is not a book of religion but a book of actions' – review this statement. 15
'गीता धर्म नहीं कर्म ग्रंथ है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

According to Shrimadbhagwatgeeta, how can proficiency in work efficiency be achieved through Karmayoga ?

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कार्य दक्षता की निपुणता कर्मयोग के द्वारा कैसे प्राप्त की जा सकती है ?

4. Write short notes on any **two** of the following :
7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Jiva

जीव